ऐसे न मारो पिचकारियां

मेरे कान्हा तू रुक जा ना बातो बातो में ना सत्ता न,
देखता है काहे मोहे चोर की नजरियाँ,
ऐसे न मारो पिचकारियां भीजे गी मोरी काली चुनरियाँ,

अब न आउंगी बातो में तेरे करती हो तंग काहे मुझको अकेले,
मुस्कुराके पास आके बेशक लगा लो गोर गाल पे अभिरिया,
ऐसे न मारो पिचकारियां भीजे गी मोरी काली चुनरियाँ,

कह देती हु तुझे समजा के मिल ने आई हु सब से बचा के ,
ना ही छेड़ो कान्हा मेरो समजो न श्याम अब हमरी ललचारियाँ,
ऐसे न मारो पिचकारियां भीजे गी मोरी काली चुनरियाँ,

Source: https://www.bharattemples.com/ese-na-maaro-pichkariyan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw